



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 2]

नई दिल्ली, गुरुवार, जनवरी 16, 1987/पौष 26, 1908

No. 2]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 16, 1987/PAUSA 26, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय, अर्जेंट रेंज,

हैदराबाद, 31 दिसम्बर, 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख
(1) के अधीन सूचनाएं

निर्देश सं० आर. ये. सी. नं. 18/86-87 :—यतः
मुझे टी. गोरखनाथन आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन
संश्लेष प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-
रुपये से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है, जो गुंडला
पोचमल्ली (व्ही) स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, मेडचल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरिति की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण

है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में
लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11). या आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता
जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और, यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति में

भर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

- (1) श्री जी. रामकृष्णा रेड्डी पिता बाल रेड्डी, घर नं. 11-24, बूरटोंगुडा, बोलाराम, सिकंदराबाद।
- (2) श्री जी. महेंदर रेड्डी पिता जी. रामकृष्णा रेड्डी, घर नं. 11-24, बूरटोंगुडा, बोलाराम सिकंदराबाद। (अन्तरक)
- (3) मैसर्स अभिशेक स्टील लि०, 72 पैग कोलनी, सिकंदराबाद; बाइ डायरेक्टर्स, गोपाल आगरवाल पिता बिद्रावान आगरवाल, और अशोक आगरवाल पिता प्रल्हाद राय आग्रवाल, घर नं. 21-1-390, रीकाय गंज, हैदराबाद—500002 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के भर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के भर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिम्मे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिति को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिखाया है।

अनुसूची

बंजरकुषि भूमि सर्वे नं. 72, और 73, विस्तीर्ण 4 एकड़, और 10 गुंठे, गुंडला पोंचमपल्ली, मेडचल, जिला रंगारेड्डी, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं. 2594/86, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मेडचल।

तारीख : 31-12-1986

सौल :

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 31st December, 1986

NOTICE UNDER SECTION 269 D [1] OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 [43 of 1961]

Ref. No. 18/1986-87.—Whereas, I, T. Goraknathan being the competent authority under Section 269 D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 land bearing No. land situated at Gundla Pochampally (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 to 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal, on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957):

And, whereas, the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. Shri G. Ramakrishana Reddy, S/o Shri Bal Reddy, H. No.11-24, Burtonguda, Bollaram, Secunderabad.

2. Shri G. Mahender Reddy, S/o Shri G. Ramakrishana Reddy H. No. 11-24, Burtonguda, Bollaram, Secunderabad.
(Trasferor).

2. M/s. Abhishek Steels Limited,
Office at 72, Paigah Colony,
Secunderabad-500 003.
Represented by its Directors,
Shri Gopal Agarwal,
S/o Shri Bindraban Agarwal,
H. No. 72, Paigah Colony, Secunderabad, and
Shri Ashok Agarwal, Son of Shri Prahlad Rai Agarwal No. 21-1-390, Rikab Gunj,
Hyderabad-500 002. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latter :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural land bearing survey Nos. 72 and 73 admeasuring Four Acres and Ten Guntas (4-10) situated at Gundla Pochampally (V), Medchal Mandal, Ranga Reddy District-registered by the sub Registrar, Medchal—vide document No. 2594/86.

Dated : 31-12-1986

Seal : Hyderabad

निर्देश सं० आर. ए. सी. नं० 18/86-87 :—यतः, मुझे टी. गोरखनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सञ्चय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है, जो गुडला पोचम-पल्ली (वही) स्थित है (और इससे उदावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेडचल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निम्नलिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और, यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री जी. रामोरेड्डी पिता बाल रेड्डी, और
- (2) श्री जी. श्रीनिवासा रेड्डी पिता रामी रेड्डी घर नं. 9-89, बुरटोंगुडा, सिकंदराबाद।
- (3) श्रीमति टी. भारती पति टी. जनार्धन रेड्डी, संतोषनगर कालोनी, हैदराबाद
- (4) श्रीमति वो. सुगूना पति वो. जनार्धन रेड्डी, आलीशबाद, हैदराबाद
- (5) श्रीमति एन. स्वरूपा पति श्री मीना रेड्डी, जंगनेट्टु, फलकनुमा, हैदराबाद
- (6) श्रीमति पि. बसंता पति पि. प्रताप रेड्डी, बाडुगल, मेडचल तालूक, जिला रंगारेड्डी

(अन्तरक)

- (1) मैसर्स अभिषेक स्टील लि., 72, पैग कालोनी, सिकंदराबाद-3, रीजेजेंटेड बाई गोमाल अग्रवाल, पिता बीराबान अग्रवाल, 72 पैग कालोनी, सिकंदराबाद।
- (2) श्री अशोक अग्रवाल पिता, प्रल्हाद राइ अग्रवाल, घर नं. 21-1-390, रीकाय गंज, हैदराबाद-500002 (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिति को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्वोक्त परा के अधीन सूचना दी गई है

आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिखाया है।

अनुसूची

बंजर कृषि भूमि विस्तीर्ण 4 एकड़, सर्वे नं. 71 और 72 गुंडला पोचमपल्ली व्हीलेज, मेडचल मंडल, जिला रंगारेड्डी, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2593/86, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मेडचल।

तारीख : 31-12-86

सोल :

Ref. No. 18/1986-87 :—Whereas, I, T. Goraknathan, being the competent authority under Section 269D of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampally (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957) ;

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-

perty in terms of Chapter XXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. Shri G. Rami Reddy, S/o Shri Bal Reddy H. No. 9-89, Burtonguda, Secunderabad;
2. Shri G. Sreenivasa Reddy, Son of Shri Rami Reddy, H. No. 9-89, Burtonguda, Secunderabad;
3. Smt. T. Bharathi, W/o : Shri T. Janardhana Reddy, Santoshnagar Colony, Hyd.;
4. Smt. B. Suguna, W/o : Shri B. Janardhan Reddy, Aliabad, Hyderabad;
5. Smt. N. Swaroopa, W/o : Shri Meena Reddy, Jangamettu, Falknauma, Hyd.;
6. Smt. P. Vasantha, W/o : Shri P. Pratapa Reddy, Bodduppal, Medchal tk. Distt. Ranga Reddy, Hyderabad.

(Transferors)

1. M/s. Abhishek Steels Ltd.,
Office situated at 72, Paigah Colony,
Secunderabad-500003.

Represented by : 1, Shri Gopal Agarwal,
son of Shri Bindraban Agarwal, No. 72,
Paigah Colony, Secunderabad.

2. Shri Ashok Agarwal, Son of Shri Prahlad Rai Agarwal H. No. 21-1-390, Rikab Gunj, Hyderabad-500002.

(Transferees)

(Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned.) :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette

or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural lands bearing part of Survey Nos. 71 and 72 admeasuring Four Acres situated at Gundla Pochamapilly Village, Medchal Mandal, Ranga Reddy District—registered by the Sub Registrar, Medchal—vide document No. 2593/86.

Date : 31-12-1986

Seal :

निर्देश सं० 18/1986-87 :—यतः मुझे, टी. गोरखनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. भूमी है, जो गुंडला पोचमपल्ली विलेज स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेडचल में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 अप्रैल, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रिकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या

किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डॉ. जी. बालकृष्णा रेड्डी पिता लेट जी. बाल रेड्डी, 9/103/2, बूरटोंगुडा, बोलारम, सिकंदराबाद । (अन्तरक)
2. मैसर्स अभीशोक स्टीलस् लि., पैग कालोनी, सिकंदराबाद-500003, रीप्रेजेंटेंड बाई डायरेक्टर, श्री गोपाल आगरवाल पिता श्री बिन्दाबान आगरवाल, रेसीडेंट नं. 72, पैग कालोनी सिकंदराबाद, 3, और श्री अशोक आगरवाल, पिता श्री प्रल्हाद राय आगरवाल, घर नं. 21-1-390, रोकाबगंज, हैदराबाद-500002. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिखाया है ।

अनुसूची

बंजर कृषि भूमि सर्वे नं. 71, विस्तीर्ण दो एकड़ गुंडला पंचमपल्ली, विलेज, मेडचल मंडल, जिला रेंगा-रेड्डी, रजिस्ट्रीकृत नं. 2590/86, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मेडचल ।

तारीख 31-12-86

सोल :

Ref. No. 18/1986-87 :—Whereas, I, T. Goraknathan, being the competent authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampalli (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on Apr. 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957) ;

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of

this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Dr. G. Balakrishna Reddy, S/o Late G. Bal Reddy 9/103/2, Burtonguda, Bolaram, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. Abhishek Steels Limited, Office situated at 72, Paigah Colony, Secunderabad-500003, represented by its Directors,

(Transferee)

- (2) Shri Gopal Agrawal, S/o : Shri Bindrabhan Agarwal, Resident of No. 72, Paigah Colony, Secunderabad-500003 & Shri Ashok Agarwal, S/o Shri Prahalad Rai Agarwal, H. No. 21-1-390, Rikab gunj, Hyderabad-500 002.

(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural land bearing part of survey No. 71, and measuring two acres

situated at Gundla Pochampally (V), Medchal Mandal, Ranga Reddy District, Andhra Pradesh, registered by the Sub-Registrar, Medchalvide document No. 2590/86.

Date : 31-12-1986

Seal : Hyderabad

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 18/86-87.—

यतः मुझे टी. गोरखनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी भूमि है, जो मंडला पोचमपल्ली (वही) स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेडचल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 अप्रैल, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल्प के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेज के अनुसार अन्तरिति की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल्प से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल्प का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियाँ) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल्प, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और तब आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जी. रामा रेड्डी और

(2) श्री जी. श्रीनिवास रेड्डी,

पिता श्री बाल रेड्डी, 9/89, मूरटोंगूडा, बोलारम, सिकन्दराबाद,

- (3) श्रीमति टी. भारती पति जनार्दन रेड्डी संतोष-
नगर, सहदाबाद, हैदराबाद.
- (4) श्रीमति बि. सुगुना पति बि. जनार्दन रेड्डी,
अनीनाबाद, हैदराबाद
- (5) श्रीमती यन, स्वरूपा पति यन. मीना रेड्डी,
जंगमोदू, फलकनूमा, हैदराबाद
- (6) श्रीमति पि. वसन्ता पति पि. प्रताप रेड्डी,
वेड्डपाल, मेडचल तालूक (अन्तरिक)

2. मैसर्स अधिशोक स्टील लि.

72, पैंग कालोनी, बाई (1) श्री गोपाल अग्रवाल
पिता बिंदरबान अग्रवाल, रेसीडेंस 72, पैंग कालोनी,
सिकन्दराबाद

- (2) अशोक अग्रवाल पिता प्रल्हाद राज अग्रवाल,
रेसीडेंस नं. 21-1-390, रकाबगंज, हैदराबाद
-500 002 (अन्तरिक)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि
इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर
में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए
तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना
हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिक को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि
हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववत् पैरा के अधीन सूचना दी
गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए
अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो अधिनियम,
1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथा परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिखाया
है।

अनुसूची

बंजर कृषि भूमि सर्वे नं. 71 और 72, विस्तीर्ण 4 एकड़,
गुंडला पोचमपल्ली व्हीलेज, मेडचल, जीला रंगारेड्डी,
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2559/86, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
मेडचल।

तारीख : 31-12-86

मुहर : हैदराबाद

Ref. No. 18/1986-87 :—Whereas, I, T. GORAKNATHAN being the competent authority under Section 269 D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampalli(V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April, 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957) :

And, whereas, the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me :

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the

acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri G. Rami Reddy,
- (2) Shri G. Sreenivasa Reddy
Sons of Late Shri Bal Reddy,
9/89, Burtonguda, Bolaram,
Secunderabad.
- (3) Smt. T. Bharathi,
W/o Shri Janardhan Reddy,
Santosh Nagar, Saidabad,
Hyderabad.
- (4) Smt. B. Suguna, W/o Shri B. Janardhan Reddy,
Aliabad, Hyderabad.
- (5) Smt. N. Swaroopa,
W/o Shri N. Meena Reddy,
Jangameetu, Falaknuma,
Hyderabad.
- (6) Smt. P. Wasantha,
W/o. Shri P. Pratap Reddy,
Boddupal, Medchal Taluk.

(Transferors)

2. M/s. Abhishek Steels Limited,
Office situated at 72, Paigah Colony,
Secunderabad-500 003.

Represented by : 1. Shri Gopal Agarwal,
S/o Shri Bindran Agarwal,
Resident of No. 72, Paigah Colony,
Secunderabad.

- (2) Shri Ashok Agarwal,
S/o Shri Prahalad Rai Agarwal,
Resident of No. 21-1-390, Rikab Gunj,
Hyderabad-500 002.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the under-signed: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latter :

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural lands bearing part of survey Nos. 71 and 72 admeasuring four acres situated at Gundla Pochampally Village, Medchal Mandal, Ranga Reddy District registered by the Sub-Registrar, Medchal—vide document No. 2559/86

Dated : 31-12-1986

Seal : Hyderabad

निर्देश सं. आर. ये. सी. न. 18/86-87 :—यतः, मुझे टी. गोरखनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी भूमि है, जो गुडलापोचमपल्ली(व्ही) स्थित है (और इससे उपायधन अनुमूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेंडचल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1986 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेज के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निहित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्ववत संपत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अन्वय में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री जी. रामकृष्ण रेड्डी पिता बाल रेड्डी, घर नं. 11-24, बूरटोंगुडा, बोलारम, सिकन्दराबाद
- (2) श्री जी. महेंदर रेड्डी पिता जी. रामकृष्ण रेड्डी, घर नं. 11-24, बूरटोंगुडा, बोलारम, सिकन्दराबाद (अन्तरक)
- (3) मैसर्स अभीशेक स्टील लि., 72, पैग कॉलोनी, सिकन्दराबाद, रीप्रजेंटेड बाइ डायरेक्टर्स, गोपाल आगरवाल घर नं. 72, पैग कॉलोनी, सिकन्दराबाद, और श्री अशोक अग्रवाल पिता प्रह्लाद राय आगरवाल, घर नं. 21-1-390, रीकाबगंज, हैदराबाद-500002. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त संपत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे :

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर संपत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववत पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिखाया है।

अनुसूची

बंजर भूमि, सर्वे नं. 72 और 73, विरतीर्ण 4 एकड़, गुडला पोचमपल्ली व्हीलेज, मेडचल, जिला रंगारेड्डी रजिस्ट्री-कृत विलेख नं. 2558/86 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मेडचल।

(ट। गोरखनाथन) सक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 31-12-1986

Ref. No. 18/1986-87 .—Whereas, I, T. Goraknathan being the competent authority under Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampalli (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

And, whereas, the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property.

in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me;

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269 D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri G. Ramakrishna Reddy S/o Shri Bal Reddy, H. No. 11-24, Burtonguda, Bollaram, Secunderabad

(2) Shri G. Mahender Reddy, S/o Shri G. Ramakrishna Reddy, H. No. 11-24, Burtonguda, Bollaram, Secunderabad. (Transferor)

2. M/s. Abhishek Steels Limited, Office situated at No. 72, Paigah Colony, Secunderabad-500 003, represented by its Directors, Shri Gopal Agarwal, H. No. 72, Paigah Colony, Secunderabad, and Shri Ashok Agarwal, S/o Shri Prahlad Rai Agarwal, H. No. 21-1-390 Rikabgunj, Hyderabad-500 002. (Transferee)

(Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the part of dry agricultural land bearing survey Nos. 72 and 73 admeasuring Four Acres situated at Gundla Pochampally (V), Medchal Mandal, Ranga Reddy District—registered by the Sub Registrar, Medchal—Vide document No. 2558/86.

T. GORAKNATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad(A. P.)
Date 31-12-1986
Seal : Hyderabad.

